



18/6/11/89

भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग 1—खण्ड 2
PART I—Section 2

प्रतिधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 16]
No. 16]

नई दिल्ली, मंगलवार, नवम्बर 1, 1988/कार्तिक 10, 1910
NEW DELHI, TUESDAY, NOVEMBER 1, 1988/ KARTIKA 10, 1910

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

कार्मिक, लोक शिक्षा तथा पेंशन मंत्रालय

(कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग)

नई दिल्ली, 1 नवम्बर, 1988

अधिनियम

संख्या ए.-11013/21/85-प्र.अ. :-प्रशासनिक अधिकरण अधिनियम, 1985
(1985 का 13) की धारा 6 को उप-भाग (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते
हुए, राष्ट्रपति स्वायत्तता और अनिवार्यता के अधिनियम और के. आर. रेड्डी के स्वात पर

जिन्होंने अपने कार्यकाल को समाप्ति पर 20 अक्टूबर, 1988 को केन्द्रीय प्रशासनिक के अधिकरण के अध्यक्ष का पदभार छोड़ दिया था, उनके द्वारा कार्यभार संभालने की तारीख से केन्द्रीय प्रशासनिक अधिकरण का अध्यक्ष नियुक्त करते हैं।

2. न्यायमूर्ति श्री अमिताव बैनर्जी जो कि इलाहाबाद उच्च न्यायालय के सेवारत मुख्य न्यायाधीश हैं, जिन्हें केन्द्रीय प्रशासनिक अधिकरण का अध्यक्ष नियुक्त किया जा रहा है की सेवाओं को संविधान की दूसरी अनुसूची के भाग ब के पैरा 11(ख)(i) के अर्थों के अन्तर्गत वास्तविक सेवा के रूप में समझा जाएगा।

3. न्यायमूर्ति श्री ए. बैनर्जी की सेवा की शर्तें इलाहाबाद उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के रूप में उनकी अविवर्षता तक, उच्च न्यायालय न्यायाधीश की (सेवा की शर्तें) अधिनियम, 1954 और उसके अन्वीत कानूनी नियमों द्वारा शासित होंगी। उसके बाद न्यायमूर्ति श्री ए. बैनर्जी की सेवा की शर्तें समय-समय पर यथासंशोधित केन्द्रीय प्रशासनिक अधिकरण (अध्यक्ष, उपाध्यक्ष तथा सदस्यों के वेतन, भत्ते तथा सेवा की शर्तें) नियमावली, 1985 द्वारा शासित होगी।

श्रीमती कृष्णा सिंह, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF PERSONNEL, PUBLIC GRIEVANCES AND PENSIONS

(Department of Personnel & Training)

New Delhi, the 1st November, 1988

NOTIFICATION

No. A-12013/21/85-AT.—In exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 6 of the Administrative Tribunals Act, 1985 (13 of 1985), the President is hereby pleased to appoint Shri Justice Amitav Banerji as the Chairman of the Central Administrative Tribunal with effect from the date he enters upon his office vice Shri Justice K. Madhava Reddy who ceased to hold office as the Chairman of the Central Administrative Tribunal upon completion of his term of office on the 20th October, 1988.

2. The services of Shri Justice Amitav Banerji Sitting Chief Justice of Allahabad High Court, who is being appointed as Chairman, Central Administrative Tribunal, shall be treated as Actual Service within the meaning of para 11(b)(i) of Part 'D' of the Second Schedule to the Constitution.

3. The Conditions of service of Shri Justice A. Banerji till his superannuation as Chief Justice of Allahabad High Court shall be governed by the High Court Judges (Conditions of Service) Act, 1954 and the rules made thereunder. Thereafter the conditions of service of Shri Justice A. Banerji shall be governed by the Central Administrative Tribunals (Salaries and Allowances and Conditions of Service of Chairman, Vice-Chairman and Members) Rules, 1985, as amended from time to time.

SMT. KRISHNA SINGH, Jt. Secy.

